महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई व शिवाजी महाविद्यालय, रेणापुर जि. लातुर
तथा
स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

'हिंदी साहित्य में श्रमिक वर्ग' (आरंभ से अब तक)

|| निमंत्रण ||

प्रति,
मा. प्राचार्य /हिंदी विभागाध्यक्ष,

विषय :- राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए शोधालेख भेजने संबंधी।

महोदय/महोदया,

आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता होती है कि हमारे महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन **महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई** तथा **स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड** के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। संगोष्ठी का विषय है- **'हिंदी साहित्य में श्रमिक वर्ग (आरंभ से अब तक)।'**

हिंदी साहित्य में आरंभ से अब तक श्रमिक वर्ग का चित्रण समय-समय पर होता आया है। हर काल के साहित्यकारों ने श्रमिक वर्ग को केंद्र में रखकर उन पर हो रहे अन्याय अत्याचार, शोषण, उत्पीडन का चित्रण प्रभावी रुप में करकर उन्हें एक नया आयाम देने का प्रयास किया है। श्रमिक वर्ग एक सामाजिक-आर्थिक शब्द है, जिसका उपयोग सामाजिक वर्ग के उन व्यक्तियों का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो कम वेतनवाली नौकरी, सीमित कौशल या शारीरिक श्रम की आवश्यकता वाले कामों से चिन्हित है। श्रमिक वर्ग से तात्पर्य है- जो वर्ग निरंतर हाडतोड मेहनतकश है, उत्पादन की गतिविधि में शामिल है। अर्थ व्यवस्था में वस्तुओं के निर्माण तथा सेवाओं के प्रवाह में योगदान देता आया है। प्रस्तुत संगोष्ठी हिंदी साहित्य में वर्णित श्रमिकों का राष्ट्रनिर्माण में जो योगदान है, उस पर प्रकाश डालने का एक प्रयास मात्र है। श्रमिक वर्ग के अंतर्गत शारीरिक और बौध्दिक श्रम करनेवाली समस्त इकाईयाँ आती है। जैसे-किसान, मजदूर, कारीगर, कर्मचारी, स्त्रियां (घर, दफ्तर, खेती, असंगठित मजदूर इ.) आदि। वे तमाम सर्वहारा वर्ग जो श्रम करकर जीते है, उन समस्त श्रमिकों का चित्रण हिंदी साहित्य के सभी कालों में हुआ है। उन श्रमिकों के सुख दु:ख, पीडा-दर्द, यातना-संघर्ष, शोषण-उत्पीडन, विद्रोह और गुलामी अवस्था से हिंदी साहित्य ओत-पोत है। आशा है कि हिंदी के अध्येता श्रमिक वर्ग के विविध आयामों को अपने आलेखों द्वारा उद्घाटित करेंगे।

प्रस्तुत राष्ट्रीय संगोष्ठी में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की जाएगी। आपसे अनुरोध है कि निम्नांकित में से किसी एक विषय पर अपना आलेख **दि. 25 जुलाई 2024** से पूर्व **drsatishyadav2017@gmail.com** इस ई-मेल पते पर भेज दें। आलेख की शब्दसीमा 1500 शब्दों में हो। आलेख **मंगल युनिकोड वर्ड फाईल (फॉन्ट साईज 12)** में हो। पंजीकरण शुल्क अध्यापकों /प्राध्यापकों के लिए रू. 800/- तथा शोधार्थियों के लिए रू. 500/- होगा। ऑग्रम पंजीकरण **PRINCIPAL AND PROG OFFICER, NSS SHIVAJI MAHAVIDYALAYA, RENAPUR** के खाता क्र. 00000800160003112, IFSC Code : MAHG0004342, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक, शाखा रेणापुर पर Online जमा करवाए और उसकी रसीद की फोटो कॉपी आयोजक के वॉटसअप पर भेजें। चयन समिति द्वारा चर्यानंत शोधालेखों का समावेश ISBN क्रमांक सहित पुस्तक में होगा।

पीछे देखें.....

शोधालेख के लिए प्रस्तावित विषय

1. श्रमिक वर्ग : अवधारणा, स्वरुप तथा प्रकार
2. श्रमिक वर्ग का आंदोलन और हिंदी साहित्य
3. हिंदी कविता में श्रमिक वर्ग
4. हिंदी कहानी में श्रमिक वर्ग
5. हिंदी उपन्यासों में श्रमिक वर्ग
6. हिंदी नाटकों में श्रमिक वर्ग
7. हिंदी एकांकी में श्रमिक वर्ग
8. हिंदी निबंधों में श्रमिक वर्ग
9. हिंदी आत्मकथा में श्रमिक वर्ग
10. हिंदी व्यंग्य रचनाओं में श्रमिक वर्ग
11. आदिकालीन साहित्य में श्रमिक वर्ग
12. भक्तिकालीन साहित्य में श्रमिक वर्ग
13. रीतिकालीन साहित्य में श्रमिक वर्ग
14. हिंदी पत्रकारिता में श्रमिक वर्ग
15. हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में श्रमिक वर्ग
16. हिंदी साहित्य में वर्णित किसी साहित्य विधा, साहित्यकार, साहित्यांदोलन से संबंधित किसी भी विषय पर आलेख आमंत्रित है।

आपके शोधालेख की प्रतीक्षा में.....

डॉ. सतीश यादव
समन्वयक

डॉ. अर्जुन कसबे
सह-समन्वयक
(हिंदी विभाग)

डॉ. आर. एस. अवस्थी
प्राचार्य
(संयोजक)

संपर्क :- 9403249804, 9423305824